

मुनिराज कुंथुसागर महाराज विरचित
श्रीचतुर्विंशति जिनस्तुति
व
श्रीशांतिसागर चरित्र

अनुवादकः—

श्री. धर्मरत्न पं. लालारामजी शास्त्री, भैरवपुरी.
(य. पी.)

प्रकाशकः—

श्रीमान् शेठ रावजीभाई केवलचंद्र
ईडर (महीकांठा)

प्रथम आवृत्ति
२०००

१९३६
वीर सं. २४६२

मूल्य सदुपयोग